शरीर और सौंदर्य कला

कान का छेदना

स्वास्थ्य का क्या जोखिम है?

आपको और आपके ग्राहकों को एच.आई.वी., हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी या अन्य सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे बैक्टीरिया या कवक के संपर्क में आने का जोखिम है।

किसी संक्रमण के होने के लिए उपकरण या सतहों पर रक्त या शरीर के द्रवों का आपको दिखाई देना आवश्यक नहीं है।

कान को छेदने वाले उपकरणों का इस्तेमाल कानों (केवल मांसल भाग) के अतिरिक्त शरीर के किसी भी अन्य भाग पर नहीं किया जायेगा।

इससे पहले कि आप सेवा शुरू करें:

- उपयोग में लाये जाने वाले सभी उपकरणों और सामग्रियों को व्यवस्थित करें।
- अपने हाथों को तरल साबुन से कम से कम 20 सेकंड के लिए चलते हुये गर्म पानी में धोयें और फिर डिस्पोज़ेबल पेपर टॉवेल से सुखायें, **"हाथों को धोना"** **पोस्टर** देखें।
- प्रत्येक ग्राहक के लिए नये, एकल प्रयोग वाले, डिस्पोज़ेबल दस्ताने पहनें।
- कीटाणुरहित किये हुये और पहले से पैक किये हुये आभूषणों का उपयोग करें। दूषित होने से बचाने के लिये आभूषणों के साथ हाथों के सीधे संपर्क से बचें। कीटाणुरहित की हुई पैकिंग को ग्राहक के सामने ही खोलें।
- कानों के झुमकों पर निस्संक्रामक का स्प्रे कान छेदने से पहले न करें।
- नीचे दी गयी प्रक्रिया का उपयोग करके छेदने वाली जगह पर निशान लगायें:
    1. डिस्पोज़ेबल फोहे का उपयोग करके किसी त्वचा ऐंटीसेप्टिक जैसे 70% आइसोप्रोपाइल अल्कोहल से साफ करें।
    2. निशान लगायें (आयोडीन टिप वाला पेन, जेंटियन वायलेट या टूथ पिक से आयोडीन का उपयोग करें)।
    3. निशान लगायी गयी जगह को सूखने दें।
    4. किसी स्वीकृत त्वचा ऐंटीसेप्टिक से दोबारा साफ करें।

जब आप सेवा समाप्त कर चुकें हों तो:

- दस्तानों को फेंकने के बाद अपने हाथों को तरल साबुन से कम से कम 20 सेकंड के लिए चलते हुये गर्म पानी में धोयें और फिर डिस्पोज़ेबल पेपर टॉवेल से सुखायें।
- अपने ग्राहक को कान छिदवाने के बाद की जाने वाली देखभाल के बारे में मौखिक व लिखित जानकारी उपलब्ध करायें।
- बाद में की जाने वाली देखभाल की जानकारी में शामिल होना चाहिये
    - छिदवाई गयी जगह को शुष्क रखें, सामान्य स्नान और शॉवर की अनुमति है;
    - आभूषणों को छूने से पहले हाथ साफ करें;
    - जब घाव सूखा न हो तो आभूषणों को घुमाने से बचें;
    - घाव भरने के संभावित समय और चिन्हों व लक्षणों सहित उन संभावित जटिलताओं के बारे में बतायें जो उत्पन्न हो सकती हैं;

- बतायें कि हल्की लालिमा, दर्द या सूजन से कैसे निपटें और यदि 24 घंटों के भीतर दशा में सुधार न हो तो किसी चिकित्सक से संपर्क करने की सिफारिश करें;
- छिदवाई गयी जगह जहाँ संक्रमण की संभावना हो, वहाँ से आभूषणों को न उतारने और छेदने वाले से संपर्क करने व चिकित्सीय सलाह लेने की सलाह दें।

- हर ग्राहक के तुरंत बाद डिस्पोज़ेबल कैप्सूलों, ऐडेप्टरों, और कार्टरिजों को फेंक दें।
- **एकल प्रयोग वाली डिस्पोज़ेबल कार्टरिजों या ऐडेप्टरों** का उपयोग करने वाले कान छेदने के उपकरण को किसी मध्यम स्तर के निस्संक्रामक, जैसे 70% आइसोप्रोपाइल अल्कोहल से साफ* करें और फिर निस्संक्रमित करें। प्रत्येक ग्राहक के बाद उपकरण को निस्संक्रामक में 10 मिनट तक डूबा रहने दें।
- साफ और निस्संक्रमित किये गये उपकरण को प्रयोग में न होने पर एक साफ और ढंके हुये डब्बे में रखें।
- ग्राहकों के बीच हैडरेस्ट, काम करने की मेज और कुर्सियों को साफ* करें और फिर एक निम्न स्तर के निस्संक्रामक, जैसे 10 कप पानी में 1 चम्मच ब्लीच से इस प्रकार निस्संक्रमित करें कि यह सतह के संपर्क में 10 मिनट तक रहे।

***सफाई व निस्संक्रमण करने हेतु विस्तृत चरणों के लिये सामान्य और प्रयोग सम्बंधी आवश्यकताओं के बारे में तथ्य–पत्रक देखें।**

रिकॉर्ड:

- कान छेदना एक आक्रामक प्रक्रिया है। हर उस ग्राहक का रिकॉर्ड रखा जाना चाहिये जो इस आक्रामक प्रक्रिया से गुजरा है। इस रिकॉर्ड में शामिल होना चाहिए:
  - प्रक्रिया की तारीख;
  - व्यक्तिगत सेवा कार्यकर्ता का पूरा नाम (प्रथम और अंतिम);
  - ग्राहक का नाम (प्रथम और अंतिम);
  - डाक का पूरा पता;
  - टेलीफोन संख्या;
  - की गयी प्रक्रिया का विवरण।
- ग्राहक के रिकॉर्ड व रक्त और शरीर के द्रवों से आकस्मिक संपर्क के रिकॉर्डों को साइट पर न्यूनतम एक वर्ष के लिये और फाईल में न्यूनतम पाँच वर्ष के लिये रखा जाना चाहिए।

अतिरिक्त आवश्यकताएं:

- नये छेदन उपकरण को खरीदने से पहले अपने जन स्वास्थ्य निरीक्षक से सम्पर्क करें।
- कान छेदने के ऐसे उपकरणों की संस्तुति नहीं है जो पहले से कीटाणुरहित एवं डिस्पोज़ेबल भागों का उपयोग **नहीं** करते हैं।
- आभूषणों के पहले से खोले गये पैकेट को कीटाणुरहित नहीं माना जा सकता है। किसी भी खुले हुये या क्षतिग्रस्त पैकेट में संग्रहित आभूषणों को त्वचा को छेदने के लिये उपयोग में नहीं लाया जा सकता है।

स्त्रोत: The Ministry of Health and Long Term Care, 2008, Infection Prevention and Control Best Practices for Personal Services Settings, January 2009.

अक्टूबर 2010